कार्ल ओ. साउर का योगदान

Contribution of Carl O. Sauer

Carl Ortwin Sauer (1889-1975)

- **Born-Missouri, USA.**
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक भूगोल के लिए 20वीं सदी का अग्रणी भूगोलवेत्ता।
- सांस्कृतिक भूगोल का जन्मदाता।
- 1915 में शिकागो विवि. से पीएचडी।
- 1923–1957 तक कैलीफोर्निया (California) विवि. बर्कले (Berkeley) में प्रोफेसर।

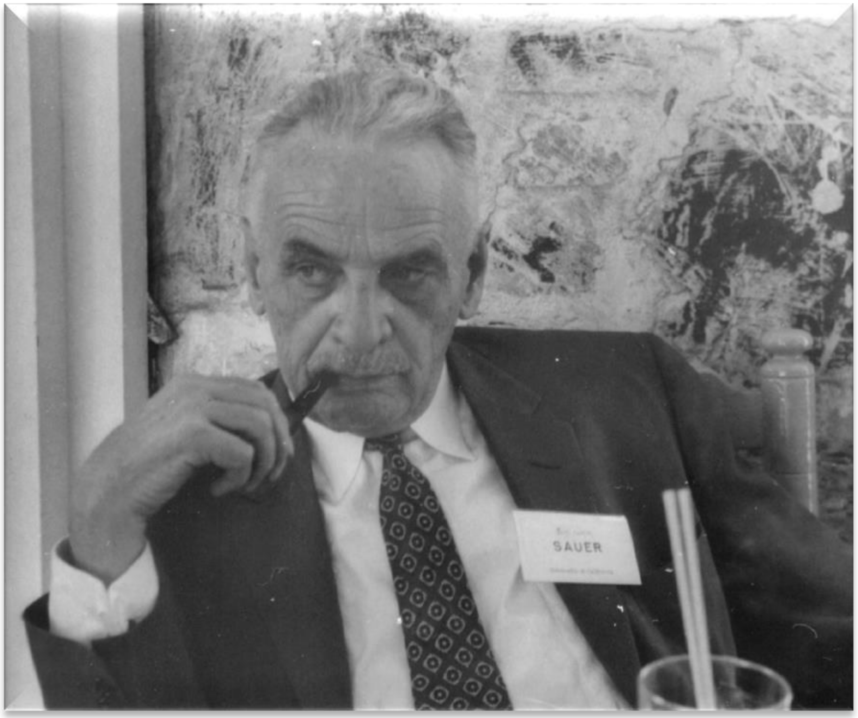

प्रमुख कृतियाँ (Major Works)

- ओजार्क उच्च भूमियाँ (Ozark Highlands, 1920)
- दृश्यभूमि का आकृतिविज्ञान – दो खंड।

  (The Morphology of Landscape, 1925)
- सांस्कृतिक भूगोल (Cultural Geography, 1947)

लेख (Articles)

- 1927, "Recent Developments in Cultural Geography"-Cultural landscapes are made up of "the forms superimposed on the physical landscape."
- 1955, Man's Role in Changing the Face of the Earth.

दृश्यभूमि का आकृतिविज्ञान
"The Morphology of Landscape”

- सांस्कृतिक भू–दृश्य मानवीय होते हैं।
- प्राकृतिक भू–दृश्य ही कालान्तर में मानवीय कार्यों के कारण सांस्कृतिक भू–दृश्य में परिवर्तित हो जाते हैं। लेकिन इसका अध्ययन अत्यंत कठिन है क्योंकि मानव हजारों रूपों में हजारों वर्षों से कार्य कर रहा है।

सांस्कृतिक भू–दृश्य (Cultural Landscape) के अध्ययन में तीन पक्षों को महत्वपूर्ण बताया–

- सामान्य भूगोल–भौगोलिक घटकों के अनुसार व्यवस्थित करना।
- प्रादेशिक भूगोल–प्रदेश में विकसित आकृतियों का तुलनात्मक अध्ययन **(Comparative Morphology)**।
- ऐतिहासिक भूगोल– भू–दृश्य विकास–क्रमानुसार अर्थात् अधिभूमिग्रहण के क्रमिक चरणों **(Stages of Sequent Occupancy)** का अध्ययन।

सांस्कृतिक भू–दृश्य
Cultural Landscapes

- पुरानी संस्कृति में नवीनीकरण होने से एक नई संस्कृति भू–दृश्य पर आरोपित (Superimpose) हो जाती है।
- भू–दृश्य में आधार प्राकृतिक–दृश्य ही बना है क्योंकि सांस्कृतिक दृश्य के निर्माण में सामग्री की आपूर्ति प्राकृतिक भू–दृश्य से ही होती है। सामग्री को निर्माण या रूप देने में स्वयं सांस्कृतिक बल (Cultural Force) काम करते हैं।

साउर का सांस्कृतिक भू–दृश्य
Sauer's Cultural Landscape

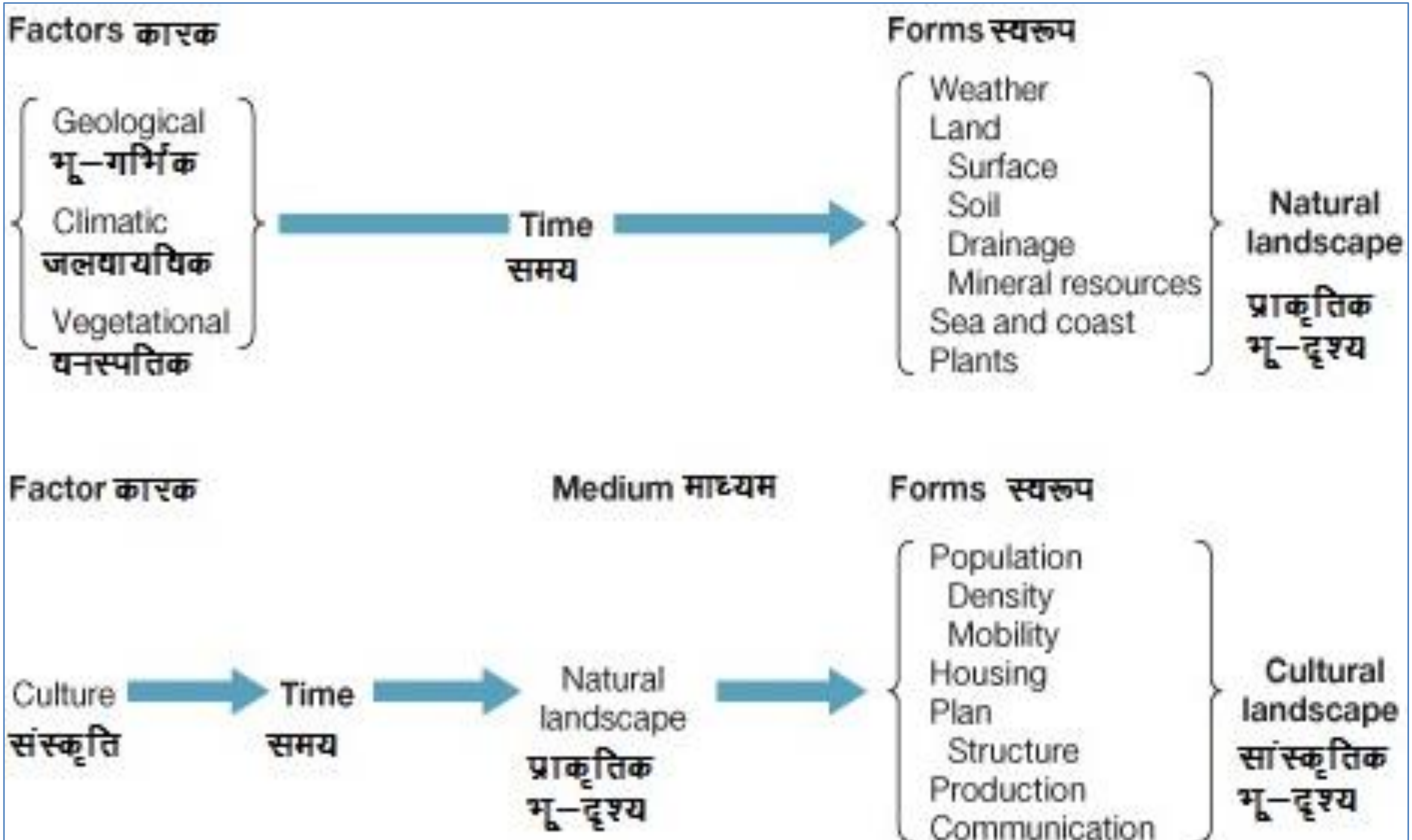

मानवीय परिवर्तनों के प्रभाव
Impact of Human Changes

- मानवीय परिवर्तनों के कारण निम्न घटनाएँ बढ़ती हैं–
- 1. भू–स्खलन **(Landslides)**,
- 2. भूगर्भीय जल स्तर का नीचा होना **(Lowering of Underground Water-Table)**,
- 3. जल–निकास अवरूद्ध करना **(Drainage Barriers)**,
- 4. मृदा–खिसकाव **(Soil-Creep)** आदि।

भूगोल (Geography)

- भूगोल प्रधानतः मानव–केन्द्रित विज्ञान (Anthropocentric) है जहाँ पृथ्वी तल का विकास मानवोपयोगी रूप में मिलता है।
- भूगोल, क्षेत्र (Area), प्रदेश (Region) अथवा भू–दृश्य (Landscape) के बारे में अध्ययन करने वाला विषय है।
- किसी प्रदेश के भौगोलिक अध्ययन का आरंभ उसके पूर्वकाल (Past) के भूगोल से होना चाहिए। क्षेत्र को उसके इतिहास क्रम के अनुसार व्यवस्थित कर स्वरूप (Form), संरचना (Structure) और कार्यों (Functions) का अध्ययन करना ही उस प्रदेश का वैज्ञानिक भूगोल है। यही प्रदेश का पूर्ण दृश्य–जगत कहलाता है।

निष्कर्ष Conclusion

- भू–दृश्य निरन्तर परिवर्तनशील संकल्पना है। यह मानव की संस्कृति पर निर्भर है।
- विश्व के विभिन्न भू–दृश्यों को साउर ने **'Landscape Morphology'** के रूप में विकसित किया।
- साउर संभववाद का समर्थक था, परंतु आधुनिक युग के निश्चयवाद **(Present-day determinism)** को मानते हुए उसने प्रकृति और मानव के बीच समायोजन **(Adjustment)** को ही प्रमुख माना था।